27 फरवरी, 2006 से प्रारम्भ होने वाले सप्ताह के दौरान निम्नलिखित सरकारी कार्य लिया जाएगाः -

आज की कार्यसूची से बकाया सरकारी कार्य की किसी मद पर विचार।

(**श्री उपसभापति महोदय पीठासीन हुए**)

स्पिरिटयुक्त निर्मिति (अन्तरराज्यिक व्यापार और वाणिज्य) नियंत्रण (निरसन) विधेयक, 2005 पर विचार और परित करना।

लोक सभा द्वारा पारित किए गए रूप में न्यायालय अवमान (संशोधन) विधेयक, 2006पर विचार और पारित करना।

लोक सभा द्वारा पारित किए जाने के पश्चात् खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (संशोधन) विधेयक , 2005 पर विचार और पारित करना।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड विधेयक , 2005 पर विचार और पारित करना।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान आयोग (संशोधन) अध्यादेश, 2006 का निरनुमोदन चाहने वाले सांविधिक संकल्प पर चर्चा तथा राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षाणिक संस्थान आयोग (संशोधन) विधेयक, 2005 पर विचार और पारित करना।

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Removal of Chaudhary Devi Lai's Name from the Thermal Power Plant at Panipat in Haryana

श्री तरलोचन सिंह (**हरियाणा**) : माननीय डिप्टी चेयरमैन साहब, धन्यवाद। मैं आपके माध्यम से इस हाउस के ऑनरेबल मैम्बर्स का ध्यान एक बहुत ही इम्पोर्टेंट विषय की ओर दिलाना चाहता हूं और यह मांग करता हूं कि जो यह हाउस ऑफ ऐल्डर्स है, देश की जो परम्पराएं हैं, उनकी , तरफ ध्यान रखते हुए, आप इस विषय पर भी खास ध्यान दें।

मान्यवर, इस देश की सदियों से एक परम्परा है कि हम नेशनल हीरोज़ का बिना किसी धर्म, जात या पोलिटिकल व्यू के सत्कार करते हैं, और आज तक इस देश में यह परम्परा कायम रही। जब फ्रीडम मूवमेंट आई तो जितने फ्रीडम फाइटर्स थे, चाहे वे किसी विचारधारा के थे, उनका

सत्कार गांव –गांव में, शहर – शहर में , हर सरकार ने , लोगों ने किया और उनके नाम पर बहुत बड़े –बड़े स्मारक, बड़ी –बड़ी बिल्डिंग्स और शहरो केनाम रखे गए। इसी तरह जो फौजी सम्मान के काबिल थे, उनका सम्मान किया। लेकिन , आज एक ऐसी घटना इस देश में वापरी है, जिसकी तरफ मैं इस हाउस का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि एक स्टेट गवर्नमेंट ने चौधरी देवी लाल का नाम ताऊ चौधरी देवी लाल थर्मल प्लांट से हटाकर इन परम्पराओं को तोड़ा हैं। चौधरी देवी लाल एक ऐसे व्यक्ति थे, जो दो बार देश के डिप्टी प्राइम मिनिस्टर रहे , जो एक स्टेट के तीन बार मुख्य मंत्री रहे और जो 16 साल की उम्र में देश की आजादी के लिए जेल गये थे और चौधरी देवी लाल इस हाउस के भी सदस्य रहे। चौधरी देवी लाल के बारे में मुझे ज्यादा बताने की जरूरत नहीं, वे इसी सैट्रल हाल में देश के प्रधानमंत्री चुने गए थे ,लेकिन उन्होंने त्याग करके अपना नाम छोड़कर श्री वी.पी. सिंह जी को नॉमिनेट किया था। हरियाणा में एक पानीपत थर्मल प्लाटं है, जिसके उद्घाटन के लिए राष्ट्रपति जी खुद गए थे और उन्होंने उसका नाम रखा था ताऊ चौधरी देवी लाल थर्मल प्लांट, लेकिन आज जो हरियाणा सरकार है, पता नहीं उसकी क्या नीति है, उसने एक केबिनेट मीटिंग करके यह पास किया कि चौधरी देवी लाल का नाम ...(**व्यवधान**)...उन्होंने चौधरी देवी लाल का नाम पानीपत प्लांट से हटा दिया है। मान्यवर, मैं एक ही बात कहना चाहता हूं।

श्री उपसभापति: जरा संक्षेप में अपनी बात समाप्त कीजिए।

श्री तरलोचन सिंह : मैं एक ही बात कहना चाहता हूं कि चौधरी देवी लाल का नाम एक प्लांट से हटाने से लोगों के दिलों से नहीं जा सकता,चौधरी देवी लाल हरियाणा के निर्माता हैं, हरियाणा की फॉरमेशन चौधरी देवी लाल की वजह से हुई थी। मैं यह इसलिए कह रहा हूं, कि अगर यह परम्परा चल पड़ी , तो गलत होगा क्योंकि देश में सरकारें बदलती रहती हैं, इसलिए हमें ध्यान देना होगा कि अगर यह बात आगे चली, तो देश का क्या हश्र होगा। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : देखिए, मैं सुषमा जी को बुला रहा हूं। ...(**व्यवधान**) ... देखिए, इस विषय पर आप ऐसोसिएट हो सकते हैं। चेयरमैन साहब ने जब इसकी इजाजत दी तो उन्होंने दो ऑनरेबल मैम्बर्स को इस विषय पर बोलने की इजाजत दी – एक श्री तरलोचन सिंह, जिन्होंने नोटिस दिया और दूसरे श्रीमती सुषमा स्वराज जी। बाकी सदस्य ऐसोसिएट कीजिए क्योंकि सबके बोलने के लिए यहां गुंजाइश नहीं हैं। ...(**व्यवधान**)... प्लीज। ...(**व्यवधान**)...बोलिए सुषमा जी।

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY (Andhra Pradesh): Sir, I gave a notice.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: On which one?

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: On this issue.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I am bound by what has been permitted, and that permission is given only to two Members. ...(**व्यवधान**)...सुषमा जी को बोलने दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री राजीव शुक्ल (उत्तर प्रदेश) : सर, यह विषय राज्य सरकार से मुताल्लिक है, इस पर यहां नहीं बोल सकते। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : आपको इजाजत नहीं दी गई है, आप बैठिए।

श्री राजीव शुक्ल : सर, यह व्यवस्था का प्रश्न है।

श्री उपसभापति : यह व्यवस्था का प्रश्न नहीं है, यह with the permission of the Chair हैं।

श्रीमती सुषमा स्वराज (उत्तरांचल) : उपसभापति जी, जो विषय अभी सरदार तरलोचन सिंह जी ने सदन में रखा है, वह विषय हम सबके मन में आक्रोश पैदा करता हैं। वह विषय एक ऐसी सोच से संबंधित है, जो सोच यह मानती हैं ...(**व्यवधान**)..

श्री उपसभापति : आप सुषमा जी को बोलने दीजिए, बाद में आपको अगर कुछ कहना हैं...(**व्यवधान**)..

श्रीमती सुषमा स्वराज : उपसभापति , जी मैं यह कह रही थी कि जो विषय सरदार तरलोचन सिंह जी ने रखा है, वह विषय ऐसी सोच से संबंधित है, जिस सोच का यह मानना है कि देश में बनने वाली सड़कों , पुलों बंदरगाहों, हवाई अड्डों और यहां तक कि इस देश में चलने वाली योजनाओं और कार्यक्रमों का नामकरण केवल एक ही घराने के व्यक्तियों के नाम पर होना चाहिए। किसी और व्यक्ति के नाम पर ...(**व्यवधान**)...

एक माननीय सदस्य : सर, यह क्या हो रहा हैं ? ...(**व्यवधान**)

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैंने तो किसी का नाम ही नहीं लिया ...(**व्यवधान**)...मैंने तो किसी का नाम ही नहीं लिया है, फिर ये खड़े क्यों हो गए ...(**व्यवधान**)

SHRI S.S. AHLUWALIA: What is this? *...(Interruptions)..*

श्री उपसभापति : देखिए, गवर्नमेंट रिप्लाई देगी ...(**व्यवधान**)...देखिए, रूल्स में यह ...(**व्यवधान**)

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैंने तो किसी का नाम ही नहीं लिया, मैंने किसी घराने का नाम थोड़े ही लिया है, तब क्यों खड़े हो गए ...(**व्यवधान**) ...

श्री उपसभापति : आप ज़रा बैठ जाइए ...(**व्यवधान**) देखिए, आज यह जो विषय हैं ...(**व्यवधान**)

Please speak on the subject...*(Interruptions)* आप बैठ जाइए ...(**व्यवधान**) I

श्री रवि शंकर प्रसाद (**बिहार**) **:** यहां यह थोड़े कहा गया है कि कौन सा घराना, किसी का भी नाम कहां लिया गया हैं? ...(**व्यवधान**)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: आप बैठ जाइए ...(**व्यवधान**) Please sit *down....(Interruptions)...* बागड़ोदिया जी, आप बैठ जाइए ...(**व्यवधान**) आप बैठ जाइए ...(**व्यवधान**) The subject is about Choudhary Devi Lai...*(Interruptions)..* The name has been changed. *(Interruptions)...* Please speak on that...*(Interruptions)..* Let us not go outside the purview of the subject, because this is not a debate...*(Interruptions)...*This is a matter of urgent public importance... *(Interruptions)...*

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Sir...*(Interruptions)..*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Narayanasamy, please sit down... *(Interruptions)..*

डा. प्रभा ठाकुर (**राजस्थान**) : सर, अभी राजस्थान के अन्दर राजीव गांधी ...(**व्यवधान**)

श्री सभापति : आप बैठ जाइए, ...(**व्यवधान**) क्या आपने नोटिस दिया हैं ...(**व्यवधान**)

श्री रवि शंकर प्रसाद : हमने पहले ही नोटिस दिया हैं ...(**व्यवधान**)

SHRI JANARDHANA POOJARY: Sir. *.(Interruptions)..*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No name has been taken ....f/nterrupf/'onsj..

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैंने तो किसी का नाम भी नहीं लिया ...(**व्यवधान**)

SHRI JANARDHANA POOJARY: Why are you...*(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Janardhana Poojary, they have not taken any name...*(Interruptions)...* If any name had been taken, I would have removed *thai...(Interruptions)..*

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैंने किसी भी घराने का नाम नहीं लिया हैं ...(**व्यवधान**)

SHRI RAJU PARMAR (Gujarat): This is too much *...(Interruptions)..*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: They have to confine themselves to the subject... *(Interruptions)..*

श्री रवि शंकर प्रसाद : सुषमा जी ने " एक घराना " शब्द का उपयोग क्या है, इस पर आपको क्या आपत्ति हैं ? क्या हम यह भी नहीं बोल सकते ?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down...*(Interruptions)...*Please sit down...*(Interruptions)..* Please sit down...*(Interruptions)...* I will not allow anybody to deviate from the subject. If it is on Choudhary Devi Lai, they should speak on Choudhary Devi Lai...*(Interruptions)...* I will not allow any other subject...*(Interruptions)...* किसी और को मौका नहीं देंगे ...(**व्यवधान**) **।**

श्रीमती सुषमा स्वराज : उपसभापति जी, वह सोच यह मानती है कि इस देश में किसी और को भी यह हक हासिल नहीं हैं कि उनके नाम पर यह नामकरण हो और इसी सोच के कारण ...(**व्यवधान**)

श्री संतोष बागड़ोदिया (राजस्थान) : यह गलत बात हैं ...(**व्यवधान**)

SHRI RAJU PARMAR: She is misleading the House *....(Interruptions)...* She is misleading the House....*(Interruptions)...*

श्रीमती सुषमा स्वराज : सर, मैं एक सोच की बात कर रही हूं, क्या वह सोच आपकी हैं ? ...(**व्यवधान**)... मैं तो केवल एक सोच की बात कर रही हूं , ...(**व्यवधान**) जब मैं एक सोच की बात कर रही हूं, उस पर ये लोग क्यों खड़े हो रहे हैं ? ...(**व्यवधान**)

श्री उपसभापति : नहीं , सुषमा जी, आप इसी सब्जेक्ट के ऊपर बात कीजिए ना ।

श्रीमती सुषमा स्वराज : सर, मैं तो केवल एक सोच की बात कर रही हूं ।

श्री उपसभापति : कृपया आप सब लोग बैठ जाइए, आपको इजाज़त नहीं दी गई हैं, आप प्लीज़ बैठ जाइए ।If anybody speaks without the permission of the Chair, that will not goon record. मीणा जी आप बैठ जाइए ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: This is not allowed *...(Interruptions)...* Nothing will go on record. Nothing will go on record....*(Interruptions)...*

श्री मूल चन्द मीणा (राजस्थान) : सर *

श्री उपसभापति : मीणा जी, आप बैठिए , प्लीज । ...(**व्यवधान**) आपको भी परमिशन नहीं, उनको भी परमिशन नहीं, आप बीच में मत उठिए प्लीज ।

Nothing will go on record *....(Interruptions)...* Nothing will go on record....*(Interruptions)...* जो उनको एप्लाई है वह आपको भी एप्लीकेवब होगा । .... (**व्यवधान**)

श्री राजू परमार : *

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will allow *on\y....(Interruptions)...* Nothing will go on record. *...(Interruptions)...* यह देखिए, डिबेट नहीं हो रहा हैं ......(**व्यवधान**) वह भी नहीं जाएगा, कुछ नहीं जाएगा । ....(**व्यवधान**) ...वह कुछ नहीं जाएगा, Nothing will go on record *....(Interruptions)..* देखिए, आप बैठिए .....(**व्यवधान**) ...

डा. अलादी पी. राजकुमार (आन्ध्र प्रदेश) : *

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will only allow speech on the subject, because this is a wide subject. This is not a debate. Please understand..*(Interruptions)...* देखिए, अब चेयर को भी बात नहीं करने देंगे It is not a debate. It is not even a Special Mention. It is a matter of urgent public importance of Zero Hour. You have to confine....*(Interruptions)...*Please, do not talk in between. Please, follow some decorum....*(Interruptions)...* Mr. Narayanasamy, the Chair is advising the hon. Member what should be done. Why are you intervening? If I need your assistance, I shall take it, please....*(Interruptions)...*

I would like to remind the hon. Members that while framing the rules, we have abolished Zero Hour. I would like to go back and remind that we have abolished Zero Hour. That is why, we have brought Special Mentions so that matter of urgent public importance could be taken up.

But, now, we are entering into a debate. You have to mention only what has happened.

There is no need for a debate on this subejct. I will not allow any debate on this subejct. And, it should be confined to the subject. If it were a debate, you could be allowed to make your point.

*Not recorded.

श्रीमती सुषमा स्वराज : उपसभापति जी, उसी सोच के चलते ......(**व्यवधान**).....

SHRI JANARDHANA POOJARY (Karnataka): Sir, I am on a point of order ....*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What is the point of order?

SHRI JANARDHANA POOJARY: Sir, Rule 169 .... *(Interruptions)....*

SHRI SANTOSH BAGRODIA: You have to listen to the point of order. You cannot stop him from making a point of order *....(Interruptions)....*

डा. अलादी पी. कुमार : जीरो ऑवर में क्या पोइंट ऑफ ऑर्डर हैं ?

श्री उपसभापति : देखिए, जीरो ऑवर ही नहीं हैं । Mr. Rajkumar, there is no Zero Hour *....(Interruptions)...* There is no Zero Hour.... *(Interruptions)..*

SHRI JANARDHANA POJARY: Sir, Rule 169, discussion on a matter of public interest... *(Interruptions)...* clause 13 says, "It shall not relate to *....(Interruptions)....*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is not a motion *....(Interruptions)....* Rule 169 is, 'motion on matters of public interest'. But this is not a motion *....(Interruptions)....* It is not a motion *....(Interruptions)....* Sushmaji, please confine to the subject.

श्रीमती सुषमा स्वराज : उपसभापति जी मैं कह रही थी कि उसी सोच के चलते चौधरी देवी लाल का नाम थर्मल पॉवर स्टेशन पानीपत से हटाया जा रहा हैं । चौधरी देवी लाल, केवल इस देश के उप प्रधान मंत्री नही थें, वे केवल एक संवैधनिक पद पर बैठी शख्सियत नहीं थी । चौधरी देवी लाल इस देश के किसानों के मसीहा थे । चौधरी देवी लाल हरियाणा के सर्वसम्मानित व्यक्तित्व थे और इसलिए 26 कौमों ने मिलाकर उन्हें ताऊ का सम्बोधन दिया था । वे ताऊ देवी लाल के नाम से जाने जाते थे । और मेरे अपने व्यक्तिगत राजनीतिक कैरियर में चौधरी देवी लाल का बहुत योगदान है इसलिए मैंने कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए अपने समय में जब मैं सूचना और प्रसारण मंत्री थी तो दूरदर्शन केन्द्र हिसार का नाम चौधरी देवी लाल के नाम के पीछे नामकरण किया था और इसी तरह यह जो थर्मल पॉवर स्टेशन की ढाई सौ – ढाई सौ दो इकाइयां है इसमें चौधरी देवी लाल के नाम का नामकरण किया गया और इसमें एक और आयाम यह जुड़ जाता हैं कि वह शिलान्यास भारत के महामहित राष्ट्रपति डा. ए.पी.जे अब्दुल कलाम के द्वारा किया गया। उनकी पाट्टिका लगी हैं । यह जो नाम आज बदला जा रहा है उस नाम की पट्टिका का शिलान्यास राष्ट्रपति द्वारा किया गया है । जहां देवी लाल जी के सम्मान का प्रश्न है, वहां राष्ट्रपति जी के सम्मान का

प्रश्न भी जुड़ जाता हैं । यह पहली बार हो रहा है कि किसी राष्ट्रपति के ...(**व्यवधान**)....किसी राष्ट्रपति के कर कमलों द्वारा कराये गये शिलान्यास की पट्टिका बदली जाये और वह नाम उतारा जाये, इसलिए मैं आपसे कहना चाहती हूं कि नाम बदलने वाले ऐसे गड्ढे न खोदें जिन गड्ढों में कल स्वयं गिरना पड़े । ....(**व्यवधान**).... गदलने वालों के नाम सबसे ज्यादा हैं उसमें .... (**व्यवधान**)....हजारों –हजार नाम हैं । ....(**व्यवधान**)....

श्री दिग्विजय सिंह (झारखंड) : उपसभापति महोदय, मैं ...(**व्यवधान**)...

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: We associate with it.

श्री उपसभापति : देखियें, प्लीज ... (**व्यवधान**)...विषय एक ही हैं । ....(**व्यवधान**)... The subejct is only one, that is, the name has been changed. You have brought it to the notice of the House. It is for the State Government to reply.The Central Government cannot reply on that. You have brought it to the notice.

श्री सुषमा स्वराज : इसलिए उपसभापति जी, ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : यहां तक कन्फाइन करेंगे, ...(**व्यवधान**)... | appeal to the hon. Members not to make it an issue. If the Government is able to answer, I will ask for that. *...(Interruptions)....*

श्रीमती सुषमा स्वराज : इसलिए उपसभापति जी, मैं एक निवेदन करके बैठना चाहूंगी । ....(**व्यवधान**) ...

श्री उपसभापति : सोनिया गांधी का क्या नाम आया ? ....(**व्यवधान**)... मेहरबानी करके आप बैठकर बात मत कीजिये । ....(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : इसलिए मैं एक निवेदन करके बैठना चाहूंगी ...(**व्यवधान**) .. संसदीय कार्य राज्य मंत्री इसे राज्य का विषय समझकर खारिज न करें , पूरे सदन की भावनांए देखें और सदन की भावनाओं से अवगत कराते हुए, यह जो कर्म किया जा रहा हैं, इसको बदलें और वह पट्टिका वहां रहनी चाहिए, थर्मल पॉवर स्टेशन पानीपत चौधरी देवी लाल के नाम से बने रहना चाहिए । इसी में राष्ट्रपति की गरिमा है, इसी में इस सदन की गरिमा हैं और इसी में चौधरी देवी लाल जी की गरिमा है ।

श्री दिग्विजय सिंह : उपसभापति महोदय, मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि ....(**व्यवधान**)....

श्री उपसभापति : दिग्विजय सिंह जी, विषय एक ही हैं । ...(**व्यवधान**)...

*Not recorded.

श्री दिग्विजय सिंह : उपसभापति महोदय, मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि चौधरी देवी लाल जी इस देश के न सिर्फ नेता और उप प्रधान मंत्री थे , ...(**व्यवधान**) ...

श्री उपसभापति : यह बोला गया है । ....(**व्यवधान**).... That is repetition ...*(Interruptions)*...

श्री दिग्विजय सिंह : बल्कि देवी लाल जी भगत सिंह के साथ जेल गये थे । ....(**व्यवधान**) ....

श्री उपसभापति : अच्छा, अच्छा । .... (**व्यवधान**) .... श्री मूल चन्द्र मीणा । ...(**व्यवधान**) ... श्री मूल चन्द मीणा । नेक्स्ट । ....(**व्यवधान**) The Government want to respond. ...*(Interrutions)*....

श्री मूल चन्द मीणा : उपसभापति महोदय, राजस्थान की सरकार ने भी .... (**व्यवधान**)....

श्री राजीव शुक्ल : उपसभापति महोदय, ...(**व्यवधान**) ....

श्री दिग्विजय सिंह : ऐसे व्यक्ति के साथ जो अपमानजनक व्यवहार किया गया । ....(**व्यवधान**) ....उसके लिए वह माफी मांगे । ....(**व्यवधान**)....

श्री उपसभापति : श्री सुरेश पचौरी जी, श्री सुरेश पचौरी जी । ....(**व्यवधान**) .... हो गया ।...(**व्यवधान**)... Nothing will go on record. श्री सुरेश पचौरी जी । ....(**व्यवधान**)... देखिये । ...(**व्यवधान**) ... सुषमा जी आप बैठ जाइये । ....(**व्यवधान**) ....

श्री राजीव शुक्ल : *

श्री उपसभापति : राजीव शुक्ल जी, आप बैठ जाइये । ....(**व्यवधान**).... आनरेबुल मिनिस्टर । ....(**व्यवधान**) ....

श्री राजू परमार : *

श्री संतोष बागड़ोदिया : *

श्री उपसभापति : नहीं, नहीं , I am not allowing anybody. ...*(Interruptions)*... आप बैठ जाइये । ....(**व्यवधान**) ...प्लीज़ आप बैठ जाइये । ....(**व्यवधान**) .... आप बैठ जाइये । ....(**व्यवधान**) ....

श्री राजीव शुक्ल : *

---

*Not recorded.

प्रो. अलका क्षत्रिय (गुजरात) : *

श्री उपसभापति : शुक्ल जी, आप बैठ जाइये । ...(**व्यवधान**) ...आप बोलिये । ....(**व्यवधान**)... अल्का जी, आप बैठ जाइये । ....(**व्यवधान**)....यह रिकार्ड में नहीं जायेगा । आप बैठ जाइये । ....(**व्यवधान**) ....

श्री संतोष बागड़ोदिया : *

डा. प्रभा ठाकुर (राजस्थान) : *

श्री उपसभापति : Nothing will go on record *(Interrutpions)...* Nothing will go on record *....(Interruptions)...* आप जो बोलना है बोलिए ....(**व्यवधान**) ... आप चेयर की बात भी नहीं सुनेंगे, तो कैसे चलेगा । ....(**व्यवधान**) ...प्लीज़ बैठ जाइये । ....(**व्यवधान**) ... आप बोलिए । ....(**व्यवधान**) .... आप बैठ जाइये । आपको भी बोलने की इजाज़त नहीं हैं । ....(**व्यवधान**) .... Nothing will go on record *(Interruptions)...* आनरेबुल मिनिस्टर ।

कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी) : आदरणीय उपसभापति महोदय, ताऊ देवी लाल जी की स्मृति में जो थर्मल पॉवर स्टेशन पानीपत का जो नामाकरण किया गया था, उसका उल्लेख माननीय सदस्यों ने किया हैं । मैं इस बात से सहमत हूं कि चौधरी देवी लाल जी न केवल इस देश के उपप्रधान मंत्री रहे, बल्कि वह स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन से भी सम्बद्ध रहे हैं और उनके कार्यकाल में अनेक सराहनीय कार्य किये गये । अभी जो माननीय सदस्य बोल रहे थे , उससे मुझे यह ज्ञात हुआ कि यह निर्णय हरियाणा राज्य सरकार के द्वारा लिया गया है, मैं इस संबंध में सारी जानकारी हरियाणा राज्य सरकार से हासिल कर लूंगा । जहां तक दूसरे सदस्यों ने एक बात कहीं है कि अन्य भाजपा शासित राज्यों में इंदिरा जी और राजीव जी के नाम कुछ तब्दीली की गई हैं । ...(**व्यवधान**) .... मैं ऐसा मानकर चलता हूं ....(**व्यवधान**)...

डा. अलादी पी. राजकुमार : हम भी श्री एन . टी. रामाराव ...(**व्यवधान**) ....

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He is a Minister and he has to reply. आप गवर्नमेंट का रिसापांड भी चाहते हैं और गवर्नमेंट को बोलने भी नहीं देते । यह क्या बात हैं ? ...(**व्यवधान**) ....I cannot direct as to what the Government should say.

श्री सुरेश पचौरी : माननीय सदस्य ने अभी ...(**व्यवधान**)....

---

*Not recorded.

डा.अलादी पी. राजकुमार : गवर्नमेंट को प्रोवोक नहीं करना चाहिए। अगर प्रोवोक करेंगे तो हम भी एन.टी. रामाराव के ...(**व्यवधान**)....

श्री सुरेश पचौरी : मान्यवर , माननीय सदस्य वह जानकारी भी दे दें । उसके लिए भी, मैं संबधित जो राज्य सरकार है, वह से जानकारी ले लूंगा । चाहे राजस्थान का मसला आपने बताया या गुजरात का बताया या मध्य प्रदेश का, लेकिन जहां तक यह मामला हैं ....(**व्यवधान**)...

श्री रवि शंकर प्रसाद : आंध्र प्रदेश का नहीं ? ...(**व्यवधान**)....

श्री उपसभापति : आंध्र का भी करेंगे , आप बैठिए ....(**व्यवधान**) ....आंध्र का भी करेंगे।

श्री रवि शंकर प्रसाद : आप बड़े अनुभवी मंत्री हैं । जो साइडलाइन कमेंट्स हैं ....(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी : रवि शंकर जी आप इतने परेशान मत होइए ।...(**व्यवधान**)...

श्री रवि शंकर प्रसाद: आप गलत परम्परा कर रहे हैं ।...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी : अपने समय के काम को भी याद करिए । ...(**व्यवधान**) ....

श्री रवि शंकर प्रसाद : यह गलत परम्परा है । मैं कह रहा हूं । ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी : मैं स्वीकार कर रहा हूं कि मैं यह जानकारी हासिल कर लूंगा और इस संबंध में आपको अवगत करा दूंगा ।

श्री उपसभापति : ठीक हैं । श्री मूल चन्द मीणा । ...(**व्यवधान**)...

श्री राजीव शुक्ल : एनटीआर का आपने कुछ नहीं ...(व्यवधान) ....

डा. अलादी पी. राजकुमार : आपने ...(**व्यवधान**)...

श्री जनेश्वर मिश्र (**उत्तर प्रदेश**): सर, मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है ।...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : **शुक्ल जी** ...(**व्यवधान**) यह विषय समाप्त हो चुका हैं । This subject is over.

श्री जनेश्वर मिश्र : सर, इस पर एक प्वाइंट ऑफ आर्डर आ गया है ।
श्री उपसभापति : क्या प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है, बोलिए ।

श्री जनेश्वर मिश्र : सर, आपने रूलिंग दी और यह कहा कि चेयर ने केवल दो लोगों को

बोलने के लिए परमिशन दी हे और केवल चौधरी देवी लाल के मामले में चर्चा होगी। हम लोगों ने आपकी इस व्यवस्था का पालन किया, एक दो बार जरूर हाथ उठाया, लेकिन हम लोग चेयर का सम्मान करते हैं। माननीय मंत्री जी ने इस विषय का दायरा बढ़ा दिया हैं। राजस्थान से लेकर, पंजाब होते हुए आंध्र तक कह दिया कि मैं सबके बारे में जानकारी लूंगा। अब यह बहस बड़ी हो गयी है। ....(**व्यवधान**)...

श्री राजू परमार : इसमें क्या गलत किया ?....(**व्यवधान**)....

श्री उपसभापति : देखिए। आप क्यों जवाब देते हैं।वे चेयर को एड्रेस कर रहे हैं ...(**व्यवधान**) ... वे चेयर को एड्रेस कर रहे हैं ....(**व्यवधान**)... उन्होंने प्वाइंट ऑफ आर्डर रेज किया है, आप प्लीज़ बैठिए। ....(**व्यवधान**)....

श्री जनेश्वर मिश्र : आपकी रूलिंग के दायरे के बाहर यह सरकार चली गयी हैं। अब विपक्ष को यह अधिकार दीजिए कि इस दायरे के बाहर जाकर वह अपनी बता उठा सके और फिर सरकार सबके बारे में जानकारी लेकर तब बताए।

श्री उपसभापति : देखिए, मैं यह कह रहा हूं कि जब यह विषय यहां पर उठा, the Government was asked to respond. The Government has responded. जब गवर्नमेंट ने रिस्पांड किया तो कोई चेयर,गवर्नमेंट को किस तरह से रिप्लाई देना है,यह नहीं बोल सकती क्योंकि first of all, this is a State issue. We have allowed raising a State issue. When we have allowed a State issue, he has said, "I will get the information." We cannot direct the *....(Interruptions)...*जरा सुनिए, आप मुझे पूरी बात नहीं करने देते, सुन सकते हैं, न दूसरों की बात सुनते हैं। देखिए, यहां प्वाइंट स्पोसिफिक हैं। This is a subejct relating to a State.

श्री कमाल अख्तर (उत्तर प्रदेश) : देवी लाल जी पूरे देश के नेता थे। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : देखिए, मैं बात कर रहा हूं।...(**व्यवधान**)...यह गलत बात है। आप बहुत सुलझे हुए सदस्य हैं, इस तरह से आपको बीच में इंटरफियर नहीं करना चाहिए, यह बहुत गलत बात हैं। आप जरा प्रोसीजर के ऊपर ज्यादा ध्यान दीजिए। यहां सिर्फ चौधरी देवी लाल के ऊपर सवाल उठा। डेफिनेटली आपने सहीं कहा है कि मैंने रूलिंग दी हैं कि इसके ऊपर ही कन्फाइन करें। ....(**व्यवधान**)... आपने यहां पर....(**व्यवधान**).... The other Members also raised . अब ज़रा ..(**व्यवधान**).. अब सवाल है कि the Government wanted to respond. गवर्नमेंट जब रिस्पांड कर रही है तो उन्होंने कहा कि स्टेट गवर्नमेंट को लिखूंगा।

उन्होंने एक्सेप्ट किया कि स्टेट गवर्नमेंट को मैटर भेजकर वहां से जवाब मंगाऊंगा और it is his prerogative. Next, Shri Moolchand Meena.

Killing of Tribals in Police Firing in Kalinga Nagar, Orissa

श्री मूल चन्द मीणा (**राजस्थान**) : उपसभापति महोदय, 2 जनवरी 2006 की कलिंग नगर, उड़ीसा की घटना की जितनी निंदा की जाए, जितनी भर्त्सना की जाए, वह कम हैं।...(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया (**झारखंड**) : सर, यह भी तो राज्य का सवाल हैं।

श्री उपसभापति : चेयरमैन साहब ने allow किया है, मैं क्या करूं ?

श्री एस .एस. अहलुवालिया : आपने अभी बोला कि वह राज्य का सवाल था।

श्री उपसभापति : यह भी तो राज्य का सवाल है। ...(**व्यवधान**)...

श्री मूल चन्द मीणा : यह तो आदिवासियों का सवाल है भाई। अहलुवलिया जी, यह आदिवासियों का सवाल हैं।...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : आप क्या चाहते हैं ?...(**व्यवधान**)...आप क्या चाहते हैं ?

श्री एस.एस. अहलुवालिया : मैं कुछ नहीं चाहता हूं।

श्री उपसभापति : चेयरमैन साहब ने जो परमिशन दी हैं... क्या आप चाहते हैं कि चेयरमैन साहब ने जो परमिशन दी है, मैं उसे ...(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस.अहलुवालिया: हम चेयरमैन साहब की परमिशन सुनेंगे।

श्री उपसभापति : मैं देखूंगा कि वे क्या बोल रहे हैं ? वे दायरे के बाहर गए, तो मैं उनको भी रोकूंगा।

श्री एस.एस. अहलुवालिया: किंतु यह राज्य का सवाल है।...यह भी राज्य का सवाल हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री मूल चन्द मीणा : यह तो आदिवासियों का सवाल है, अहलुवलिया जी, यह आदिवासियों का सवाल हैं। ...(**व्यवधान**)... आदिवासियों का नरसंहार करो और उसके बाद यहां आदिवासियों की बात...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : मीणा जी, आप बोलिए ...प्लीज़ बोलिए।